

सारे कण लाके सुनो जगराते वाली गल

सारे कण लाके सुनो जगराते वाली गल,
बाकि दियां गलना कर लियो कल,
दूजी गल न करो कोई होर भगतो,
आज माँ दे सूटदियो डोर भगतो,
सब फिकरा दी छड़ दियो डोर भगतो

जेहड़ा बैठ जगराते विच मैया न धयोँदा है,
दिन्दी माँ जरूर जो भी ओहदे हिसे आंदा है,
मेरी गल उते करो गौर भगतो,
आज माँ दे सूटदियो डोर भगतो,
सब फिकरा दी छड़ दियो डोर भगतो

खुशियां दा दिन चलो खुशियां मना ली,
उठो जगराते विच भंगड़े भी पा ली,
किते लभनी न ऐसी खुशी होर भगतो,
आज माँ दे सूटदियो डोर भगतो,
सब फिकरा दी छड़ दियो डोर भगतो

ऐसी ताड़ी मारो सुख भूल जान बात वे,
पता लग जावे आज एथे जगराता वे,
भारती न जन्दी लोड भगतो,
आज माँ दे सूटदियो डोर भगतो,

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/8541/title/saare-kan-laake-suno-jagraate-vali-gal>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |